बाबा तेरे कीर्तन में बड़ा आनंद बरसता है लिरिक्स

बाबा तेरे कीर्तन में,
बड़ा आनंद बरसता है,
यहाँ झूमते है दीवाने,
जब जब तू संवरता है,
बाबा तेरे कीर्तन मे,
बड़ा आनंद बरसता है।bd।

तर्ज – बाबुल का ये घर।

सुध बुध खो जाती है,
जब कीर्तन में आ जाए,
देख के तुझे बाबा,
मन की कलि खिल जाए,
बाबा तेरे होने से,
यहाँ कण कण महकता है,
बाबा तेरे कीर्तन मे,
बड़ा आनंद बरसता है।bd।

भजनों की गंगा में,
डुबकी लग जाती है,
भावों के रत्नों से,
झोली भर जाती है,
चरणों में शीश झुका,
फिर भाग्य चमकता है,
बाबा तेरे कीर्तन मे,
बड़ा आनंद बरसता है।bd।

बाबा तेरे प्रेमी से,
मिलना हो जाता है,
उनको लगा के गले,
मन तुझको ही पाता है,
'पंकज' का दिल तेरे,
दरबार में लगता है,
Bhajan Diary Lyrics,
बाबा तेरे कीर्तन मे,
बड़ा आनंद बरसता है।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

बाबा तेरे कीर्तन में,
बड़ा आनंद बरसता है,
यहाँ झूमते है दीवाने,
जब जब तू संवरता है,
बाबा तेरे कीर्तन मे,
बड़ा आनंद बरसता है।bd।

Singer – Shilpi Kaushik

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com